

# डॉ. वेंडी एल. विडर, डेनियल, सत्र 2

## व्याख्यात्मक प्रश्न और मुद्दे

© 2024 वेंडी विडर और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. वेंडी विडर और डेनियल की पुस्तक पर उनका शिक्षण है। यह सत्र 2 है, व्याख्यात्मक प्रश्न और मुद्दे।

यह डेनियल की पुस्तक का दूसरा व्याख्यान है और आज हम कुछ व्याख्यात्मक प्रश्नों और मुद्दों पर गौर करेंगे, जिनसे हमें पुस्तक का गहन अध्ययन करने से पहले जूझना होगा।

इसलिए, हम कई बुनियादी व्याख्यात्मक प्रश्नों को देखना चाहते हैं, और मैंने उन्हें पिछले व्याख्यान में पेश किया था, लेकिन ये ऐसे प्रश्न हैं जो हमें किसी भी किताब, बाइबल के किसी भी अंश से पूछना चाहिए। कभी-कभी, अच्छे उत्तर मिलेंगे, और कभी-कभी, हम उत्तर नहीं ढूँढ पाएंगे, लेकिन प्रश्नों का अध्ययन करना एक महत्वपूर्ण अभ्यास है। इसलिए, हम शैली के प्रश्न पूछ रहे हैं।

इससे हमारा मतलब है कि यह किताब किस तरह की लेखनी है? मैं इस तरह की लेखनी की व्याख्या कैसे करूँ? हम मानवीय लेखकत्व, तिथि और पाठकों के सवालों पर विचार कर रहे हैं। तो, इसे किसने लिखा? उन्होंने इसे कब लिखा? वे किसके लिए लिख रहे थे? हम ऐतिहासिक सेटिंग या ऐतिहासिक संदर्भ के सवालों पर विचार कर रहे हैं। इस किताब में घटनाओं के पीछे ऐतिहासिक परिस्थितियाँ क्या थीं? लेखक विशेष रूप से क्या संबोधित कर रहा होगा? और हम कभी-कभी उद्देश्य के बारे में सवाल पूछते हैं।

यह लेखक यह विशेष पुस्तक क्यों लिख रहा है? ये सभी प्रश्न आपस में जुड़े हुए हैं, इसलिए यदि आप एक का उत्तर पा सकते हैं, तो कभी-कभी आप अन्य के उत्तर पा सकते हैं, कभी-कभी नहीं, लेकिन आपका एक उत्तर अक्सर अन्य के उत्तरों को निर्धारित करता है। इसलिए, यह थोड़ा गड़बड़ हो जाता है, लेकिन ये वे मूल प्रश्न हैं जिन पर हम विचार कर रहे हैं। हम शैली से शुरू करने जा रहे हैं।

इसलिए, जब हम शैली के बारे में सोचते हैं, तो हम वास्तव में बड़ी शुरुआत करते हैं। तो, विधा एक प्रकार का लेखन है, एक प्रकार का साहित्य है। जब हम बाइबल में एक अनुच्छेद के बारे में यह प्रश्न पूछते हैं, तो मान लें कि आप मैथ्यू 5 का नया नियम अनुच्छेद चुनते हैं, और आप कहते हैं, ठीक है, मैथ्यू 5 मैथ्यू के सुसमाचार में है।

वहीं, आपने एक शैली भेद बना दिया है। यह एक सुसमाचार में है। ठीक है, यदि आप पढ़ रहे हैं, मान लीजिए, डीकन और बड़ों पर पॉल की शिक्षाएँ, तो आप 1 तीमुथियुस में हैं।

वह एक पत्र है। यह एक पत्र है। यदि तुम पढ़ो, प्रभु मेरा चरवाहा है, तो मैं नहीं चाहूँगा।

ठीक है, आप भजन में हैं। वह कविता है। तो, आप केवल उस जानकारी से शैली के बारे में एक बहुत अच्छा अवलोकन कर सकते हैं।

पहाड़ी उपदेश मैथ्यू का हिस्सा है, जो एक सुसमाचार है। और सुसमाचार आम तौर पर, खैर, वे यीशु के जीवन के वृत्तांत हैं, आख्यान जो यीशु के जीवन का वर्णन करते हैं। यदि आप बड़ों और डीकनों पर पॉल पढ़ रहे हैं, तो आप 1 तीमुथियुस में हैं।

यह पॉल का एक पत्र है। विशेष रूप से, यह उनके देहाती पत्रों में से एक है। यदि तुम पढ़ते हो, तो प्रभु मेरा चरवाहा है, तुम स्तोत्र में हो, तुम काव्य में हो।

तो, हमने बस गॉस्पेल कहा है, हमने धर्मपत्र कहा है, और हमने कविता कहा है। खैर, ये श्रेणियाँ कहाँ से आती हैं? हमें इस श्रेणी के सुसमाचार कहाँ से मिलते हैं? हमें इस श्रेणी की पत्रियाँ कहाँ से मिलती हैं? कविता? वह कहाँ से आता है? खैर, अधिकांश भाग के लिए, ये शैलियाँ बाइबिल या कैनन के संगठन से आती हैं। कैनन का संगठन।

इसलिए, यदि आप नए नियम को देखें, तो यह चार सुसमाचारों में टूट जाता है। मैथ्यू, मार्क, ल्यूक और जॉन। फिर अधिनियम है, जो इतिहास है।

और फिर आप इन सभी पत्रियों या पत्रों में पड़ जाते हैं। और फिर आपको अंत में वह आनंदमय सर्वनाश मिल गया है। तुम धमाके के साथ बाहर जाओ।

इस प्रकार न्यू टेस्टामेंट कैनन को व्यवस्थित किया गया है। यदि आप पुराने नियम को देखें, तो हमारे पास टोरा या पेंटाटेच है। हमारे पास इतिहास की किताबों का एक बड़ा हिस्सा है।

हमारे पास भविष्यसूचक पुस्तकों का एक समूह है। इसलिए, अधिकतर सिद्धांतों को समान पुस्तकों के अनुसार व्यवस्थित किया जाता है। उन्हें एक साथ समूहीकृत किया गया है, और वे शैलियाँ हैं।

खैर, डैनियल हमारे पुराने नियम समूह में कहाँ आता है? यह एक पेचीदा सवाल है। यदि आप बस कहें, ठीक है, यह एक भविष्यवक्ता है। हाँ, यदि आप किसी विशेष कैनन को देख रहे हैं, तो यह एक भविष्यवक्ता है।

इसलिए, जब हम दानियेल की पुस्तक पर आते हैं, तो हमारे सामने एक समस्या आती है। क्योंकि यहूदी या विशेष रूप से हिब्रू कैनन में दानियेल भविष्यवक्ताओं में से एक नहीं है। वह उन लोगों में से एक है जिन्हें हम लेखन कहते हैं।

अगर आप अंग्रेजी बाइबल देख रहे हैं, तो दानियेल भविष्यवक्ताओं में से एक है। वे अलग क्यों हैं? अगर आप अपनी बाइबल में विषय-सूची देखें, तो आपको शैलियों के काफी स्पष्ट समूह दिखाई देंगे। और दानियेल संबंधित कैनन में अलग-अलग श्रेणियों में आएगा।

तो, आइए इस पर थोड़ा और ध्यान से विचार करें क्योंकि यह वास्तव में एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न है। आइए देखें... आइए सबसे पहले हिब्रू कैनन पर नज़र डालें। तो, हिब्रू कैनन तीन समूहों में विभाजित है।

टोरा है। पैगम्बर हैं। और लेखन भी हैं।

हिब्रू कैनन में ये तीन श्रेणियां हैं। टोरा में, हमारे पास उत्पत्ति, निर्गमन, लैव्यव्यवस्था, संख्याएँ और व्यवस्थाविवरण हैं। मैं वो सब नहीं लिखने वाला।

हिब्रू कैनन में भविष्यवक्ताओं की शुरुआत यहोशू से होती है। न्यायाधीशों। रूथ नहीं, सैमुअल। राजा, इतिहास नहीं, एज्रा नहीं। नहेम्याह नहीं। यशायाह, यिर्मयाह, विलापगीत नहीं, यहेजकेल, और फिर हमारे पास बारह छोटे भविष्यवक्ता हैं। तो, मलाकी के माध्यम से होशे। वे पैगम्बर हैं।

फिर हमें यह तीसरी श्रेणी मिली है जिसे लेखन कहा जाता है। लेखन बाकी सब कुछ है। यह इसे याद रखने का सबसे आसान तरीका है।

लेकिन हमने कई किताबें छोड़ दीं। तो, रूथ। एस्तेर. हमने नहेमायाह और एज्रा को छोड़ दिया। हमने भजन, नीतिवचन, सभोपदेशक, सुलैमान के गीत, विलापगीत और इतिहास को छोड़ दिया। क्या मुझे वे सभी मिल गए? और डैनियल. काम। धन्यवाद, अय्यूब। और डैनियल.

हम डैनियल को कहां रखने जा रहे हैं? टोरा. पैगंबर. लेख. डैनियल के लेखन के बीच में है. अगर हमें बाकी सब चीजों के अलावा इस बारे में बात करनी हो कि ये किताबें क्या हैं, तो हम उससे थोड़ा अधिक विशिष्ट हो सकते हैं।

हमें यहां कविता और ज्ञान मिला है। यहां, हमारे पास एज्रा, नहेमायाह और एस्तेर हैं, जो निर्वासन के बाद या अभी भी प्रवासी काल में भूमि पर जीवन का वर्णन कर रहे हैं।

तो, फारस में सेटिंग. तो, कथाएँ, कहानियाँ और वृत्तांत जो वास्तविक निर्वासन के दूसरी ओर घटित हुए। इतिहास दिलचस्प है.

इतिहास, राजाओं और शमूएल की कई कहानियों का पुनर्कथन है। लेकिन इसे एक अलग दृष्टिकोण से बताया गया है। इसे निर्वासन के दूसरे पहलू से बताया गया है।

तो, आपको यहाँ पर बहुत सी ऐसी ही कहानियाँ मिलेंगी, लेकिन उन्हें अलग नज़रिए और अलग उद्देश्य से बताया गया है। रूथ। खैर, रूथ यहाँ न्यायाधीशों के समय में वापस सेट की गई है।

लेकिन यह लेखन में शामिल है। डैनियल। डैनियल यहाँ क्यों है? खैर, आप कह सकते हैं, और मुझे लगता है कि हिब्रू कैनन जिस पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, कम से कम डैनियल की पुस्तक के संबंध में, वह यह है कि यह निर्वासन में सेट है।

यह निर्वासन में घटित घटनाओं का वर्णन करता है और निर्वासन के बाद की घटनाओं पर नज़र रखता है। इसलिए, यह एक स्पष्टीकरण हो सकता है कि इसे लेखन में क्यों शामिल किया गया है। इसके अलावा भी कई कारण हो सकते हैं कि इसे लेखन में क्यों शामिल किया गया है।

कुछ लोग कहेंगे कि यह किताब की तारीखों पर आधारित है। तो, टोरा सबसे पुराना संग्रह है। पैगंबर, यह दूसरा सबसे पुराना संग्रह है।

इसलिए, नए नियम में, हम कानून और भविष्यवक्ताओं के बारे में बात करते हैं। ये दो हैं. कानून और पैगंबर.

और लेखन वह सब कुछ है जो इन पैगम्बरों के खत्म होने के समय घटित हुआ था। शायद ये किताबें बंद हो चुकी थीं। यह वह सब कुछ है जो इसके बाद आया। शायद। तो, कुछ लोग कहेंगे, ठीक है, इससे डैनियल को बाद में डेट करने का समर्थन मिलता है। हम उस तक पहुंचेंगे. इसकी बाद की तारीख है. शायद। शायद नहीं।

अन्य लोग कहेंगे कि डैनियल यशायाह, यिर्मयाह, ईजेकील और छोटे पैगम्बरों के साथ यहां गिरने के बजाय यहां गिरता है क्योंकि वह वास्तव में उनके जैसा भविष्यवक्ता नहीं है। इसलिए, इन पैगम्बरों को ईश्वर द्वारा इस्राएल के लोगों के पास उनके पाप से वापस बुलाने के लिए भेजा गया था। उन्हें वाचा में वापस बुलाओ.

अपने दुष्ट चालचलन से फिरो। वाचा पर वापस आओ. यही इन पैगम्बरों का काम था।

मेरे पास एक प्रोफेसर थे जो उन्हें अनुबंधित पुलिसकर्मी कहना पसंद करते थे। वे ही थे जो अनुबंध की निगरानी कर रहे थे। वापस आओ।

अनुबंध का पालन करें. डैनियल ऐसा नहीं करता. पुस्तक में एक अध्याय ऐसा भी है जो वाचा का भी सुझाव देता है।

इतना ही। तो, उस अर्थ में वह कोई साधारण भविष्यवक्ता नहीं है। तो, यह एक सिद्धांत है कि क्यों हिब्रू कैनन में डैनियल को पैगम्बरों के साथ शामिल नहीं किया गया है, और यह लेखों में से एक है।

तीसरा सिद्धांत यह है कि डैनियल और उसके तीन दोस्त, जिन्हें हम आमतौर पर शद्रक, मेशक और अबेदनगो के नाम से जानते हैं, उनके हिब्रू नाम हैं, लेकिन अभी के लिए, हम केवल शद्रक, मेशक और अबेदनगो के साथ ही रहेंगे। उन्हें डैनियल की किताब में बुद्धिमान लोगों या संतों की तरह चित्रित किया गया है। उनमें ये ज्ञान गुण हैं, और उनके लेखन में ज्ञान पुस्तकें हैं।

तो, शायद इसीलिए दानिय्येल की किताब को यहाँ समूहीकृत किया गया है क्योंकि इसमें ज्ञान का स्वाद है। यह संभव है। एक और सिद्धांत यह है कि दानिय्येल की किताब एस्तेर की किताब के साथ कई चीजें साझा करती है।

तो, वे दोनों इस्राएलियों या यहूदी लोगों के बारे में कहानियाँ हैं जो व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए विदेशी दरबारों में रह रहे हैं और उनकी सेवा कर रहे हैं। इसलिए, कभी-कभी, उन्हें दरबारी कहानियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। डैनियल और एस्तेर के बीच कुछ समानताएँ हैं, इसलिए उन्होंने उन दो पुस्तकों को एक साथ रखा।

एक अंतिम सुझाव, जो कि मैं कुछ हद तक पसंद करता हूँ, लेकिन फिर से, हम नहीं जानते। हम सिर्फ सवाल और संभावित उत्तरों की खोज कर रहे हैं, यह है कि हिब्रू कैनन दूसरे छह अध्यायों की तुलना में पहले छह अध्यायों पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित करता है। तो, याद रखें, डैनियल की पुस्तक में दो शैलियाँ हैं, बहुत अलग शैलियाँ। हमारे पास कथात्मक कहानियाँ हैं, और हमारे पास यह सर्वनाश संबंधी भविष्यवाणी है, लेकिन हम निश्चित नहीं हैं कि इसके साथ क्या करना है।

वे बहुत अलग हैं। इसलिए, हिब्रू कैनन ने चुनाव किया, ठीक है, हम इसे कथा के अनुसार वर्गीकृत करने जा रहे हैं। और विशेष रूप से, यह निर्वासन और निर्वासन के बाद की कथाएँ हैं, इसलिए यही यहाँ आता है।

अब, कैनन का यह हिस्सा, या दानिय्येल की किताब का यह हिस्सा, वही है जिस पर अंग्रेजी कैनन ध्यान केंद्रित करेगा। यह भविष्यसूचक, सर्वनाशकारी है। इसलिए, दानिय्येल को भविष्यवक्ताओं के साथ समूहीकृत किया जाता है।

मुझे इसे थोड़ा सा स्पष्ट करने दें। ठीक है, तो, एक सेकंड। ईसाई कैनन, या अंग्रेजी कैनन, जो, वैसे, अपने आप में एक संपूर्ण अध्ययन हो सकता है, विषय-सूची सेप्टुआजेंट में पुस्तकों के क्रम पर आधारित है।

अब, सेप्टुआजेंट क्रैश कोर्स। पुराने नियम की मूल भाषा हिब्रू है। पुराने नियम का सबसे पहला अनुवाद ग्रीक में हुआ था।

यहाँ हमारे विश्व साम्राज्यों को याद करें। हम फारस से ग्रीस चले गए, और ग्रीक हेलेनिस्टिक दुनिया की व्यावसायिक भाषा बन गई। तो, अचानक, इस समय अवधि में, ऐसे यहूदी हैं जो हिब्रू खो रहे हैं, इसलिए वे अपने पवित्र ग्रंथ को नहीं पढ़ सकते हैं।

तो, हिब्रू कैनन का ग्रीक में अनुवाद किया गया है। यह सेप्टुआजेंट है। कभी-कभी, यह बस LXX होता है।

इसके पीछे एक पूरी पौराणिक कहानी है जिसके बारे में हम नहीं बताने जा रहे हैं। हमारे उद्देश्यों के लिए आपको बस इतना जानना है कि ईसाई बाइबल, हम इसे सरल रखने के लिए अंग्रेजी कैनन कहने जा रहे हैं, इन पुस्तकों की विषय-सूची या क्रम पर आधारित है। इन पुस्तकों के क्रम पर नहीं।

क्यों? मुझे नहीं पता। हालाँकि, यह ऐसा ही है। तो, दिलचस्प सवाल यह है कि यह विषय-सूची पुस्तकों को अलग-अलग तरीके से क्यों व्यवस्थित करती है? डैनियल, भविष्यवक्ता क्यों नहीं है?

मेरी सूची कहाँ है? तो, इस कैनन में, अंग्रेजी कैनन में, हमारे पास वह है जिसे आम तौर पर कानून कहा जाता है, जो वास्तव में पेंटाटेच, टोरा से मेल खाता है, यह वही है।

वही पाँच पुस्तकें। उत्पत्ति, निर्गमन, लैव्यव्यवस्था, संख्याएँ, व्यवस्थाविवरण। हिब्रू कैनन के समान ही अंग्रेजी कैनन में भी वही पुस्तकें हैं। फिर अंग्रेजी कैनन में वह है जिसे हम आम तौर पर इतिहास की पुस्तकें कहते हैं। और इसकी शुरुआत जोशुआ, न्यायियों, रूथ, सैमुअल्स, राजाओं, इतिहास, एज्रा, नहेमायाह, एस्तेर से होती है।

यह सब उस श्रेणी में आता है जिसे हम इतिहास की पुस्तकों के रूप में वर्गीकृत करेंगे। तो, इस समूह में ध्यान दें कि रूथ, हिब्रू कैनन में, लेखन का हिस्सा था। इतिहास लेखन का हिस्सा है।

एज्रा, नहेम्याह और एस्तेर सभी तीसरी श्रेणी के लेखन का हिस्सा हैं। अंग्रेजी कैनन, वे इतिहास हैं। फिर हमारे पास वे हैं जिन्हें लोग प्रमुख भविष्यवक्ता कहते हैं।

मैं एक सेकंड में कविता पर वापस आऊंगा। प्रमुख भविष्यवक्ता, तो आपके पास अपने बड़े भविष्यवक्ता हैं। यशायाह, प्रमुख वास्तव में सिर्फ आकार को संदर्भित करता है, यशायाह, यिर्मयाह। लोग आमतौर पर यहाँ विलाप करते हैं क्योंकि यह अगली किताब है। इसलिए, तकनीकी रूप से कोई प्रमुख भविष्यवक्ता नहीं है। यहजेकेल, डैनियल, वे प्रमुख भविष्यवक्ता हैं।

छोटे भविष्यवक्ता, केवल छोटे इसलिए क्योंकि किताबें छोटी हैं। उनकी संख्या 12 है। उन्हें "12" भी कहा जाता है। होशे, योएल, आमोस, ओबद्याह, योना, मीका, नहूम, मलाकी तक।

मैं कमरे से बाहर भाग गया। अभी 12 बजे हैं। तो, ये भविष्यवक्ता हैं।

तो, अगर आप इस श्रेणी की तुलना हिब्रू श्रेणी से करें जिसे मैंने मिटा दिया है, तो डैनियल एक विचित्रता है, है न? वह लेखन में वहाँ है। और वे अपने भविष्यवक्ताओं में इन लोगों को शामिल करेंगे, जो किसी और दिन के लिए एक दिलचस्प चर्चा है। अंग्रेजी कैनन की अंतिम श्रेणी वह है जिसे हम कविता और ज्ञान कहेंगे।

कभी-कभी इसे सिर्फ कविता कहा जाता है, लेकिन इसमें ज्ञान भी शामिल है। तो, हमारे पास अय्यूब, भजन, नीतिवचन, सभोपदेशक, सुलैमान का गीत और तकनीकी रूप से विलाप भी हैं। मुझे लगता है कि मैंने उन सभी को समझ लिया है।

तो, अंतर। डैनियल भविष्यवक्ताओं में क्यों है? फिर से, हम वास्तव में नहीं कह सकते। मुझे लगता है कि मेरे लिए सबसे आसान जवाब यह है कि यह कैनन, किसी भी कारण से, दूसरे भाग पर ध्यान केंद्रित कर रहा था, दूसरे भाग की शैली, जो सर्वनाश / भविष्यवाणी है।

इसलिए, इसने इसे भविष्यवक्ताओं के साथ वर्गीकृत किया। मुझे पता है कि अगर आप जवाब चाहते हैं, तो आपको वे नहीं मिलेंगे। हम सिर्फ सवालियों की खोज कर रहे हैं, आपको विकल्प दे रहे हैं।

लेकिन यह प्रश्न पूछना उचित है क्योंकि यह हमें यह पहचानने में मदद करता है कि यह जितना हमने सोचा था उससे कहीं अधिक बड़ा प्रश्न है। यदि आप कहते हैं कि डैनियल एक भविष्यवक्ता है, तो नया नियम इसकी पुष्टि करता है, लेकिन हिब्रू सिद्धांत में, वह एक अलग तरह का जानवर है। इसलिए, यह पूछना उचित है कि एक अलग क्रम क्यों है, वे किस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

और ईमानदारी से, मेरे अनुभव में, मेरी पृष्ठभूमि का अधिकांश ध्यान इस दूसरे भाग पर था, लगभग पहले भाग को छोड़कर, जैसे कि वे नैतिकता के साथ अच्छी कहानियाँ हैं। तुम्हें पता है, डैनियल की तरह बनो।

डैनियल बनने का साहस करो। भगवान के लिए दृढ़ रहो। वे नैतिकताएं हैं जो उन छह अध्यायों से निकलती हैं।

वास्तव में यहीं पर बहुत अधिक रुचि निहित है। तो, शायद यह अंग्रेजी कैनन को दर्शाता है, मुझे नहीं पता। तो, डैनियल की शैली क्या है? यह हमें मूल प्रश्न पर वापस ले जाता है।

क्या यह कथा है? हां। क्या यह भविष्यवाणी है? ज़रूर। क्या यह सर्वनाशी है? हाँ।

यह कोई आसान उत्तर नहीं है। यह वे सभी चीज़ें हैं जो इसकी व्याख्या करना थोड़ा और कठिन बना देती हैं। क्योंकि जिस तरह से आप कथा की व्याख्या करते हैं वह भविष्यवाणी करने के तरीके से थोड़ा अलग होता है।

तो, बड़ा सवाल, बड़ा जवाब, लेकिन यह पूछने लायक है। यह शैली का प्रश्न है। यदि आपको लगता है कि यह मज़ेदार था, तो हम तारीख के बारे में बात करने जा रहे हैं।

लेखक और दिनांक. तो, डैनियल की किताब किसने और कब लिखी? लेखक, दिनांक. ये किसने लिखा? उन्होंने इसे कब लिखा? खैर, आप वहां बैठकर सोच रहे होंगे, यह वास्तव में कोई कठिन प्रश्न नहीं है।

डैनियल ने इसे तब लिखा था जब वह निर्वासन में था। इसलिए, उन्होंने इसे छठी शताब्दी ईसा पूर्व में लिखा था। सही? डैनियल ने यह किया।

उन्होंने इसे छठी शताब्दी में लिखा था। काफी आसान। आगे बढ़ो।

खैर, मैं चाहता हूँ कि यह इतना सरल होता। सबसे पहले, मैं यह कहना चाहूँगा कि दानियेल की पुस्तक के आरंभ में यह दावा नहीं किया जा सकता कि इसे किसने लिखा है। इसमें कोई उपशीर्षक नहीं है, जिसे हम उपशीर्षक कहते हैं।

इसलिए, जब आप भजन पढ़ते हैं, तो वे अक्सर दाऊद के भजन से शुरू होते हैं। यह उस लेखन को दाऊद से जोड़कर बताता है। जब आप कुछ भविष्यवक्ताओं को पढ़ते हैं, तो आपको भविष्यवक्ताओं का नाम मिलता है।

ये वे दर्शन हैं जो इस भविष्यवक्ता ने देखे थे। नए नियम में, यह थोड़ा ज़्यादा प्रचलित है। इसलिए, मैं, पॉल, चर्च में ...

बाइबिल की बहुत सी किताबों में, खास तौर पर पुराने नियम में, ये उपशीर्षक नहीं हैं। उन्हें किसने लिखा, इस बारे में कोई बयान नहीं है। और डैनियल की किताब में, पहले आधे हिस्से में, ये कहानियाँ हैं।

ये कहानियाँ डैनियल के बारे में हैं। लेकिन ऐसा कोई दावा नहीं है कि डैनियल ने इन्हें लिखा है। दरअसल, डैनियल इन कहानियों में एक किरदार के तौर पर दिखाई देता है।

तो, तीसरे व्यक्ति में. इसलिए, यदि डैनियल ने उन्हें लिखा, तो उसने उन्हें ऐसे लिखा जैसे कि वह कहानी के बाहर सर्वज्ञ कथावाचक हो। वह खुद को एक किरदार के रूप में देख रहा है और अपने बारे में बात कर रहा है।

जो पूर्णतः संभव है. लेकिन ध्यान रखें, पुस्तक उन कहानियों में लेखकत्व के लिए, पहले भाग में कोई दावा नहीं करती है। दूसरे भाग में वे दर्शन.

वे सेट हैं, और उन्हें प्रथम-व्यक्ति रिपोर्ट के रूप में बताया गया है। मैं, डैनियल, नदी के किनारे था, आदि, आदि। तो, हमारे पास मैं, डैनियल है।

फिर वह अपने दृष्टिकोण की रिपोर्ट करता है। हालाँकि, दिलचस्प बात यह है कि यह काफी है। ये रिपोर्टें, कम से कम उनमें से कुछ, तीसरे व्यक्ति की कथा के ढांचे में स्थापित हैं।

तो, अध्याय शुरू होगा, उदाहरण के लिए, अध्याय 7 शुरू होता है। बाबुल के राजा बेलशस्सर के राज्य के पहिले वर्ष में दानियेल बाबुल में अपने बिस्तर पर था, और उसने एक स्वप्न देखा। खैर, यह एक कथा है और यह तीसरा व्यक्ति है।

डैनियल यह नहीं कह रहा है, अरे, बेलशस्सर के पहले वर्ष में, मैं बिस्तर पर सपना देख रहा था। मैंने यही देखा। तो, इन दृष्टिकोणों में, हमारे पास ये रिपोर्टें तीसरे व्यक्ति की कथा में अंतर्निहित हैं।

तो, फिर से, डैनियल यह सब कर सकता था। यह संभव है। या कोई और इस संग्रह को ले सकता था और इसे एक साथ रख सकता था और रूपरेखा जोड़ सकता था।

तो, यह सब कहने के लिए, यह पहला उत्तर है जो कई लोग देते हैं। डैनियल ने इसे तब लिखा था जब वह 6वीं शताब्दी में बेबीलोन में निर्वासन में था। और यह काफी हद तक पुस्तक के दूसरे भाग में पहले व्यक्ति के उपयोग और इस तथ्य पर आधारित है कि कहानियाँ डैनियल के बारे में हैं।

तो, धारणा यह है कि उन्होंने ही इसे लिखा होगा। हालाँकि, योना की किताब योना के बारे में एक कहानी है। ऐसा कोई दावा नहीं है कि योना ने इसे लिखा है।

जोशुआ की किताब जोशुआ की घटनाओं का वर्णन करती है, लेकिन ऐसा कोई दावा नहीं है कि जोशुआ ने इसे लिखा है। इसलिए, फिर से, यह मुश्किल है। यह जटिल है।

लेखकत्व का दूसरा दृष्टिकोण, मैं इसे यही कहूंगा। यह वास्तव में पारंपरिक दृष्टिकोण है। यह लंबे समय से चला आ रहा है।

कभी-कभी इसे रूढ़िवादी दृष्टिकोण भी कहा जाता है। कभी-कभी इसे प्रारंभिक तिथि भी कहा जाता है। खैर, अगर यह जल्दी है, तो आप अनुमान लगा सकते हैं कि देर से होने वाली तिथि के साथ एक विरोधाभास होने वाला है।

और आरंभिक काल से हमारा तात्पर्य 6वीं शताब्दी के उस काल से है जब दानिय्येल निर्वासन में था। यह पारंपरिक दृष्टिकोण, रूढ़िवादी दृष्टिकोण और आरंभिक तिथि दृष्टिकोण है। फिर हमारे पास वह है जिसे अक्सर आलोचनात्मक दृष्टिकोण कहा जाता है।

और इससे मेरा मतलब यह नहीं है कि यह इस पुस्तक की आलोचना करने वाला दृष्टिकोण है। हालाँकि, यह है। जब हम आलोचनात्मक विद्वत्ता की बात करते हैं, तो हम इस तरह की टिप्पणियों के बारे में बात कर रहे होते हैं जो इस बात में बहुत रुचि रखते हैं कि पाठ को कैसे एक साथ रखा गया, किसने, कहाँ पांडुलिपियाँ पाईं, और उन सभी प्रकार के आलोचनात्मक मुद्दों में जो पुस्तक को पढ़ाने और प्रचार करने के लिए ज़रूरी नहीं हैं।

यह बहुत ही ऐतिहासिक है... मुझे कौन सा शब्द चाहिए? शब्द नहीं सूझ रहा। ऐतिहासिक आलोचनात्मक दृष्टिकोण। इसे लेट डेट भी कहा जाता है।

और शायद यही बात हमारे लिए भी लागू होगी। तो, यह दृष्टिकोण कहता है कि दानिय्येल की पुस्तक एक अज्ञात यहूदी द्वारा लिखी गई थी जो फिलिस्तीन में रह रहा था। तो, यह अलग बात है।

यहाँ, डैनियल निर्वासन में है। यह फ़िलिस्तीन में रहने वाला एक गुमनाम यहूदी है, कब? ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी के दौरान। यदि यह आपको कुछ अजीब लग रहा है, तो मैं आपको पहले व्याख्यान पर वापस ले चलता हूँ जहाँ हमारे पास यहां इतनी बड़ी समयरेखा थी।

हमने यहां दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व पर ध्यान केंद्रित किया था। ये घटनाएँ एंटीओकस एपिफेन्स के तहत मंदिर के अपवित्रीकरण और अपवित्रता से जुड़ी हैं। इसलिए, इसे अक्सर एंटीओचन उत्पीड़न के रूप में जाना जाता है।

एंटीओकस चतुर्थ, सेल्यूसिड राजा एपिफेन्स के शासनकाल के दौरान यहूदी इतिहास में यह वास्तव में एक भयानक समय था। तो, यह आलोचनात्मक दृष्टिकोण है। यह पारंपरिक दृष्टिकोण है।

यह किस पर आधारित है? क्या किसी ने एक दिन बैठकर इसे टोपी से बाहर निकाला? मैं दूसरी शताब्दी में फ़िलिस्तीन में एक गुमनाम यहूदी हूँ। क्यों? खैर, कुछ बातें। तो, याद रखें कि मैंने आपको यह दृश्य इसी आधार पर बताया था, ठीक है, डैनियल का दावा है कि उसने ये दृश्य देखे हैं। मैं, डैनियल, प्रथम पुरुष में लिखा गया है।

यह दृश्य थोड़ा अधिक दिलचस्प है, खैर, इसमें बहुत सारे तीसरे व्यक्ति भी हैं। इसलिए, आप यह नहीं कह सकते कि डैनियल ने पूरी किताब लिखी है। शायद किसी और ने इसे लिखा हो।

मुझे एक सेकंड के लिए अपने विचार यहां एकत्र करने दीजिए। इसलिए, वे कहते हैं कि इस पुस्तक का तीसरे व्यक्ति में शुरू होना और फिर स्विच करना बहुत अजीब होगा। यदि डैनियल इसे लिख रहा था तो उसने यह सब पहले व्यक्ति में क्यों नहीं किया? यह एक तर्क है।

हालाँकि, सबसे बड़ा तर्क, खैर, हम बस कुछ ऐतिहासिक कठिनाइयों के बारे में बात करेंगे। डैनियल की पुस्तक में कई जगहें हैं जहाँ, चाहे आप किसी भी तरह के विद्वान हों, कुछ ऐतिहासिक सवालों का जवाब देना बहुत मुश्किल है। तो, डैनियल की पुस्तक में एक पात्र है जिसका नाम है दारा मादी।

और वह दानिय्येल की पुस्तक में बहुत महत्वपूर्ण है। दानिय्येल और शेर की मांद में, वह वही है जिसने दानिय्येल को शेर की मांद में फेंक दिया था। पुस्तक में उसका नाम कम से कम चार बार आता है।

डेरियस द मेदी, डेरियस द मेदी, डेरियस द मेदी। हमारे पास बेबीलोन और फारस से काफी विस्तृत ऐतिहासिक अभिलेख हैं, और इस डेरियस द मेदी का कोई उल्लेख नहीं है। तो, सवाल उठता है, अच्छा, यह आदमी कौन है? यह ऐतिहासिक चरित्र कौन है? एक और मुद्दा जो जरूरी नहीं कि ऐतिहासिक हो, यह एक शैली का मुद्दा है।

यदि आप डैनियल को एक भविष्यसूचक पुस्तक कहने जा रहे हैं, जिसे मैं एक भविष्यसूचक पुस्तक कहने में प्रसन्न हूँ, तो यह भविष्य को देख रही है। लेकिन पुराने नियम के भविष्यवक्ता शायद भविष्य के बारे में बता रहे थे, लेकिन उन्होंने अपने वर्तमान दर्शकों से इस तरह से बात की जो उनके लिए समझने योग्य और प्रासंगिक था। जब आप विशेष रूप से डैनियल के उत्तरार्ध भाग, अध्याय 11 में कुछ चीजों तक पहुंचते हैं, तो आपके पास यह बहुत विस्तृत है, बाइबिल में कहीं भी किसी भी भविष्यवाणी के विपरीत, और जब तक हम उस तक नहीं पहुंच जाते, तब तक आपको लगभग 10 और व्याख्यानों पर ध्यान देना होगा। यह बिल्कुल अजीब है।

यह वास्तव में इतिहास के पाठ की तरह है, जो उनके इतिहास में इस विशेष समय का वर्णन करता है। अब, सवाल यह है कि यदि आप निर्वासन में यहाँ वापस रह रहे हैं, और डैनियल नबी आपको यह इतिहास बता रहा है या इस इतिहास की भविष्यवाणी कर रहा है, तो आपको खुद से पूछना होगा कि इस श्रोता के लिए इसका उद्देश्य क्या था? यह इतिहास जो सामने आ रहा है, उनके लिए इसका क्या मतलब होगा? प्रासंगिकता का सवाल। मूल लेखक ने ऐसा संदेश बोला होगा जो उनके श्रोताओं के लिए प्रासंगिक था।

इसलिए, जब आप इस सर्वनाशकारी सामग्री तक पहुँचते हैं, तो डैनियल के लिए यह देखना मुश्किल होता है कि इसकी प्रासंगिकता क्या रही होगी। इस शैली से जुड़ी एक और बात यह है कि सर्वनाशकारी साहित्य वास्तव में द्वितीय मंदिर काल के दौरान अस्तित्व में आया। इसलिए, सर्वनाशकारी साहित्य उत्पीड़ित लोगों का साहित्य है।

बड़े भाग में। वे दुनिया को ठीक करने के लिए दैवीय हस्तक्षेप की तलाश में हैं। और दुनिया को ठीक करने का एकमात्र तरीका यह है कि भगवान हमारे स्थान पर आक्रमण करें और ऐसा करें।

यह अराजक, प्रलयकारी दुनिया का पुनर्निर्माण करता है। चीजें इतनी ही बुरी हैं। खैर, यह दूसरे मंदिर काल के दौरान अस्तित्व में आया।

और यह वास्तव में फलता-फूलता है, और हम इसे प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में देखते हैं। यह वास्तव में यहाँ पर बहुत अधिक अस्तित्व में नहीं है। और इसलिए, यह एक तरह से अजीब है, अच्छा, यह सर्वनाशकारी साहित्य यहाँ क्या कर रहा होगा? यहाँ इन लोगों के लिए इस भविष्य की चीज़ के बारे में सात्वना का संदेश क्या है? यह सिर्फ शैली से संबंधित प्रश्न है।

यह काफी हद तक दूसरे मंदिर के साहित्य की तरह है जो इस सर्वनाशकारी शैली का अनुसरण करता है। तो, यहाँ उन तरीकों में से एक है जिससे इस देर की तारीख को समझाया जा सकता है। यह कहने के बजाय कि यह भविष्यवाणी है जो भविष्य की भविष्यवाणी कर रही है... मुझे इसे दूसरे तरीके से आजमाने दीजिए।

सर्वनाशी साहित्य में, डैनियल की पुस्तक के अलावा, हम एक विशेष प्रकार की शैली के बारे में जानते हैं जिसे पूर्व-घटना भविष्यवाणी कहा जाता है। इवेंट के बाद। मैं उसे अंदर डूबने दूँगा।

घटना के बाद भविष्यवाणी। खैर, यह वास्तव में भविष्यवाणी नहीं है। वह इतिहास है, है ना? खैर, यहाँ बताया गया है कि यह कैसे काम करता है।

आइए दिखावा करें कि हम ऐसा करने जा रहे हैं... आइए दिखावा करें कि जॉर्ज वाशिंगटन... हमारे पास जॉर्ज वाशिंगटन का चरित्र है, और हम चाहते हैं कि वह हमें संयुक्त राज्य अमेरिका के इतिहास के बारे में भविष्यवाणी बताए। तो, जॉर्ज वाशिंगटन वह चरित्र है जिसे हम अपना रहे हैं। यह वास्तव में जॉर्ज वाशिंगटन नहीं है।

यह मैं यहाँ हूँ। मान लीजिए कि मैंने यह 1990 में किया था। मैं संयुक्त राज्य अमेरिका का इतिहास बताने के लिए जॉर्ज वाशिंगटन का व्यक्तित्व अपनाना चाहता हूँ। तो, मेरे पास इतिहास बताने वाले भविष्यवक्ता के रूप में जॉर्ज वाशिंगटन हैं।

या फिर भविष्य में क्या होने वाला है, इसकी भविष्यवाणी करना। तो, जॉर्ज वाशिंगटन क्रांतिकारी युद्ध की कहानी को सटीक रूप से बताता है। हम जीत गए! वह गृहयुद्ध का सटीक वर्णन करता है।

वह औद्योगिक क्रांति का वर्णन करते हैं। वह अमेरिकी इतिहास को बहुत ही खूबसूरती से बताते हैं। और फिर वह एक ऐसे बिंदु पर पहुँच जाते हैं जहाँ यह थोड़ा अलग लगता है।

बिलकुल सही नहीं है। हम इसे 1990 के आसपास मानेंगे। वह अचानक ऐसी बातें भविष्यवाणी करने लगता है जो सटीक नहीं होतीं।

तो, शायद वह कहता है... बेटा, मुझे अपना इतिहास याद रखना है। शायद वह कहता है कि जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश दो कार्यकालों तक राष्ट्रपति रहे। खैर, यह ऐतिहासिक रूप से सटीक नहीं है, है न? लेकिन आप उसे थोड़ी छूट दे सकते हैं क्योंकि यह उसके लिए एक वास्तविक भविष्य की घटना है।

जब वह यह बता रहा है, तो वह बिल्कुल सही है। जब वह वास्तव में भविष्य बता रहा होता है, तो वह थोड़ा भटक जाता है। इसलिए, यदि हम इसे डैनियल की पुस्तक में रखते हैं, तो लेट डे थ्योरी कहती है... तो, दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में कोई व्यक्ति इतिहास का वर्णन ऐसे कर रहा था जैसे कि यह एक भविष्यवाणी हो।

और जब यह एक निश्चित बिंदु पर पहुँच जाता है, तो वह थोड़ा भटक जाता है। यह बिल्कुल सही नहीं है। और उसके थोड़ा भटकने का कारण यह है कि वह वास्तव में भविष्यवाणी कर रहा है।

वह वास्तव में भविष्यवाणी करने की कोशिश कर रहा है, और वह गलत हो जाता है। यह बहुत जटिल चीज़ है, और आप जो कह रहे हैं उसका कोई मतलब नहीं है। आप ऐसा सपना क्यों देखेंगे? खैर, मैंने इसका सपना नहीं देखा था।

यह वास्तव में एक जानी-मानी शैली है। वे इतिहास से किसी सम्मानित, आदरणीय चरित्र का नाम अपनाते हैं, इसलिए इस मामले में, डैनियल, डैनियल का नाम लें और उसे यह भविष्यवाणी सुनाएँ जो वास्तव में एक निश्चित बिंदु तक इतिहास है, और फिर यह आगे बढ़ता है, और वह चीज़ों को थोड़ा अलग कर देता है क्योंकि यह वास्तव में यह अनाम लेखक है जो अब वास्तविक भविष्य की भविष्यवाणी कर रहा है। यह एक जानी-मानी शैली है।

सवाल यह है कि क्या बाइबल में इसी शैली का इस्तेमाल किया जा रहा है? और यह एक ऐसा सवाल है जिसका जवाब लोग अलग-अलग तरीके से देंगे। इसलिए कुछ लोग कहेंगे कि यह भ्रामक है। आप ऐसा नहीं कर सकते।

यह बिलकुल गलत है। आप ऐसा नहीं कर सकते। भगवान इस शैली का उपयोग नहीं करेंगे।

दूसरे लोग कहेंगे, आपका क्या मतलब है कि भगवान उस शैली का इस्तेमाल नहीं करेंगे? एक शैली एक नैतिक श्रेणी नहीं है। कौन कह सकता है कि अगर वह एक जानी-मानी शैली है, तो भगवान उसका इस्तेमाल नहीं कर सकते थे? खैर, आप कहते हैं, अच्छा, इसका क्या मतलब है? क्यों परेशान होना? खैर, इस तरह की शैली, जहाँ आप ऐसी चीज़ों की भविष्यवाणी करते हैं जो ऐतिहासिक हैं जैसे कि वे आने वाली हैं, लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए थी। आप कहते हैं,

अच्छा, ऐसा कैसे हुआ? क्योंकि आप देखते हैं कि सब कुछ ठीक वैसा ही हुआ जैसा कि भविष्यवक्ताओं ने कहा था कि यह होगा।

तो, परमेश्वर इतिहास को ठीक वैसे ही आगे बढ़ा रहा है जैसा कि भविष्यवाणी की गई थी। और फिर सिद्धांत यह है कि इससे सुनने वाले दर्शकों को परमेश्वर की संप्रभुता के बारे में प्रोत्साहन मिला होगा। ठीक है, यह एक बहुत ही जटिल मुद्दे पर एक त्वरित नज़र है।

जब हम पुस्तक के दूसरे भाग में पहुँचेंगे तो हम इस पर वापस आएँगे। मैं जो कहना चाहता हूँ वह यह है कि लेखक की तारीख का यह प्रश्न अक्सर लोगों की रूढ़िवादिता के लिटमस टेस्ट के रूप में प्रयोग किया जाता है। तो, क्या आप वास्तव में संप्रभुता या धर्मग्रंथ की सच्चाई की पुष्टि करते हैं? यदि आप ऐसा करते हैं, ठीक है, निश्चित रूप से, तो डैनियल को 6ठी शताब्दी में एक वास्तविक डैनियल द्वारा लिखा गया होगा।

और मुझे लगता है कि यह थोड़ा सरल है। यह काफी जटिल शैली के मुद्दे को थोड़ा कम करने वाला है। मैं बस आपको अपनी आंखें खुली रखने और दोनों पक्षों को सुनने के लिए तैयार रहने के लिए प्रोत्साहित करूँगा क्योंकि वास्तव में धर्मग्रंथ के प्रति उच्च दृष्टिकोण वाले वफादार व्याख्याकार हैं जो इस पर अलग-अलग विचार रखते हैं।

इसलिए, यह उस प्रकार का परीक्षण नहीं है जिसका उपयोग आप किसी पर यह देखने के लिए करना चाहते हैं कि वे वास्तव में बाइबल पर विश्वास करते हैं या नहीं। वह लेखक-तिथि का प्रश्न है। हमारे पास दो अन्य प्रश्न हैं जो वास्तव में इसी से संबंधित हैं।

तो, दर्शक और सेटिंग। खैर, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपको लेखक कौन लगता है। अगर यह 6वीं सदी में डैनियल था, तो उसका दर्शक कौन था? खैर, यह निर्वासित या प्रवासी यहूदी थे।

यहूदी जो देश से बिखरे हुए रह रहे थे। तो, प्रवासी यहूदी। और उसका उद्देश्य क्या था? शायद उन्हें प्रोत्साहित करना कि परमेश्वर वफादार होने जा रहा है।

परमेश्वर उन्हें पुनःस्थापित करेगा। परमेश्वर के पास उनके लिए एक योजना और उद्देश्य था, इस तथ्य के बावजूद कि उन्हें उनकी भूमि से हटा दिया गया था। उन्होंने अपना मंदिर और अपना राजा खो दिया।

तो, प्रोत्साहन, सांत्वना भी। अगर आप कहते हैं कि डैनियल का लेखक दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व का यह अनाम यहूदी है, तो फिर उसके श्रोता कौन हैं? खैर, खास तौर पर, उसके श्रोता फिलिस्तीन में रहने वाले यहूदी होंगे जो इस एंटीओकियन उत्पीड़न के तहत रह रहे हैं। तो, उत्पीड़न के तहत दूसरी शताब्दी के यहूदी।

इसे लिखने का उनका उद्देश्य क्या होगा? कुछ लोग ऐसा ही सोचते हैं। इसलिए, उन्हें परमेश्वर की संप्रभुता के बारे में आश्चस्त होना चाहिए और यह कि परमेश्वर ही इतिहास का प्रभारी है।

सर्वनाशकारी अध्यायों में, पाठक को यह दिलासा देने का उद्देश्य है कि किसी दिन, रुको, धर्मी को पुरस्कृत किया जाएगा, और दुष्टों को दंडित किया जाएगा। तो यही वह प्रोत्साहन है जो इस लेखक-तिथि दृष्टिकोण से निकलता है। तो ये हमारे प्रमुख मुद्दे हैं।

आप देख सकते हैं कि डैनियल की पुस्तक शैली, लेखक-तिथि, पाठक और उद्देश्य के मामले में सरल श्रेणियों में आसानी से नहीं आती है। जब हम वापस आएं, तो हम पुस्तक को समझने के विभिन्न तरीकों पर नज़र डालेंगे। पुस्तक की संरचना करने के कई अलग-अलग तरीके हैं।

और हम इस पर बात करेंगे। धन्यवाद।

यह डॉ. वेंडी व्हिटर और डैनियल की पुस्तक पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 2 है, व्याख्यात्मक प्रश्न और मुद्दे।